



3, 71, 438

प्रसारण संख्या का विश्व कीर्तिमान रचने वाली
मानस की एकाग्रता वाला परिष्कार

सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी बाल मासिक देवपुत्र



शादी

*डॉ. श्रीकृष्णचन्द्र तिवारी 'राष्ट्रबंधु'

गुड्डे जी को बहुत शौक था,
लड़की करें पसंद ।
गुड़ियाबालों के घर खाते,
कलाकन्द सानन्द ॥
पांच किलो मीठा खाते थे,
तब होता जलपान ।
लड़की उन्हें पसन्द न आती,
कर देते अपमान
इसी तरह से मौज उड़ाते
पा जाते थे भेंट ।
जगह-जगह पर तरह-तरह से,
करते मटियाभेट ॥
गुड़ियाबालों ने मिल करके,
सोचा नया उपाय ।
गुड्डे जी शादी करने को,
हो जाएँ निरुपाय ॥
यह दुल्हा दहेज लेता है,
करता है इनकार ।
इस प्रचार ने उन्हें फँसाया,
बना दिया लाचार ॥
डर के मारे गुड्डे जी को,
करना पड़ा बिबाह ।
अंधी, लूली, लँगड़ी, बूची,
गुड़िया दुल्हन बाह ॥
बाराती दहेज-दानब से
इतने थे भयभीत
हवालात की हवा न खाने,
का चक्कर बिपरीत ॥
गुड़िया जी के पंख लग गए,
गुड्डे जी हैरान ।
साथी संगी भूखे भागे
पकड़े पकड़े कान ॥



देवपुत्र



- कानपुर (उ.प्र.)